पाठ-योजना

अध्यापिका/अध्यापक :

पुस्तक : उड़ान हिंदी पाठमाला भाग-8

विषय : हिंदी **दिनांक** : .....

उपविषय : सच्चा तीर्थयात्री, पाठ-3 **अवधि** : 3-4 वादन

पाठ संख्या	सुनना, बोलना और पढ़ना	चिंतन	लिखना	गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
3.	शुद्ध उच्चारण, प्रश्नोत्तर, मौखिक अभिव्यक्ति, पठन-पाठन।	आशय, चिंतनात्मक पठन, कार्य-कारण संबंध, भाव, संदेश, निष्कर्ष निकालना, चरित्र-चित्रण।	किसने, किससे कहा?, वाक्य-रचना, वाक्य के अंग, वाक्य-प्रयोग, गद्यांश पर आधारित, अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्न।	संवाद, धार्मिक स्थलों की जानकारी, अतिरिक्त पठन, आलेख लेखन, अर्थ-बोध।	सेवा, त्याग, भक्ति, परोपकार।

सामान्य उद्देश्य :

1. छात्रों में शुद्ध वाचन तथा पढ़ने-लिखने के कौशल का विकास करना।
2. अपने विचारों को सही प्रकार से प्रकट करने का ज्ञान व अभ्यास कराना।
3. वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को दूर करने का प्रयास करना।
4. छात्रों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
5. प्रश्नों के उत्तर को भली-भाँति लिखने का अभ्यास कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :

1. आनंदभाव से पाठ को पढ़ाना तथा पाठ के माध्यम से बाहरी आडंबरों से ऊपर उठकर सच्ची भक्ति को बताना।
2. वाक्य के प्रकार तथा उद्देश्य-विधेय का ज्ञान कराना।

सहायक सामग्री : श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान-परीक्षा : अध्यापिका/अध्यापक छात्रों की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए छात्रों से पूछेंगे कि क्या सच्ची भक्ति केवल भगवान का भजन करना है? आपके विचार से सच्ची भक्ति क्या है? आदि।

उद्देश्य-कथन : अध्यापिका/अध्यापक प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक या असंतोषजनक पाकर अपने उद्देश्य की घोषणा करेंगे कि बच्चो, आज हम 'सच्चा तीर्थयात्री' पाठ-3 का अध्ययन करेंगे।

कॉरडोवा सी.डी. (CD) के माध्यम से पाठ को दर्शाएँगे।

शिक्षण-बिंदु : 'सच्चा तीर्थयात्री' पाठ-3 के प्रश्नों के उत्तर छात्रों की सहायता लेते हुए कराए जाएँगे।

अध्यापिका/अध्यापक क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
प्र.1. दोनों मित्रों ने क्या प्रतिज्ञा की थी?	उ. दोनों मित्रों ने यरुशलम की तीर्थयात्रा करने की प्रतिज्ञा की थी।
प्र.2. एलिशा ने अपने थैले में से किसको क्या दिया?	उ. एलिशा ने अपने थैले में से लड़के, स्त्री और पुरुष को रोटियाँ दी।
प्र.3. क्या एलिशा के साथ एफिम भी झोंपड़ी में रुक गया?	उ. नहीं, एलिशा के साथ एफिम झोंपड़ी में नहीं रुका।

पाठ पढ़ाने के पश्चात–

मौखिक : सर्वप्रथम अध्यापिका/अध्यापक कठिन शब्दों का उच्चारण कराएँगे तथा पाठ से संबंधित मौखिक प्रश्न पूछेंगे।

जैसे– प्र. घनिष्ठ मित्रता होने पर भी दोनों मित्रों के स्वभाव में क्या अंतर था?

उ. एफिम गंभीर और विचारवान व्यक्ति था और एलिशा बड़ा दयालु और प्रसन्नचित्त व्यक्ति था। एलिशा में दयालुभाव कूट–कूट कर भरा था जबकि एफिम में दिखावापन अधिक था।

इसी प्रकार से सभी प्रश्नों को मौखिक रूप में पूछेंगे।

लिखित : प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लिखित रूप में करवाने से पहले मौखिक रूप में पूछेंगे। तत्पश्चात लिखवाएँगे।

1. **कॉरडोवा सी.डी. (CD)** के माध्यम से किसने, किससे कहा? वाले वाक्यों से संबंधित अंशों को दर्शाएँगे। तत्पश्चात सही उत्तर में ✓ का निशान लगवाएँगे।
2. वाक्य के तीनों प्रकार को भली–भाँति समझाएँगे। तत्पश्चात वाक्य के उचित प्रकार में सही (✓) का निशान लगवाएँगे।
3. उद्देश्य और विधेय को ठीक प्रकार से समझाएँगे। तत्पश्चात उद्देश्य में गोला और विधेय को रेखांकित करवाएँगे।
4. शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करवाएँगे।
5. संकेत गद्यांश को पुनः पढ़वाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के सही उत्तर में ✓ का निशान लगवाएँगे।
6. **कॉरडोवा सी.डी. (CD)** के माध्यम से अति लघु, लघु और निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर से संबंधित अंशों को दर्शाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँगे।

आओ अब कुछ बात करें : तीर्थयात्रा स्थलों से संबंधित विषय पर संवाद करवाएँगे।

परियोजना निर्माण : बच्चों को एक आलेख तैयार करने के लिए कहेंगे तथा लेखक सुदर्शन की कहानी 'आशीर्वाद' पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

निष्कर्ष : बच्चों ने जाना कि सेवा, त्याग, भक्ति और परोपकार ही सच्ची भक्ति है।

वाक्य के प्रकार तथा उद्देश्य–विधेय के बारे में ज्ञान प्राप्त किया।

कक्षा–कार्य निरीक्षण : अध्यापिका/अध्यापक कक्षा में छात्रों को लिखवाए गए प्रश्नों के उत्तर का निरीक्षण करेंगे तथा अशुद्धियों को ठीक कराएँगे।